सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 109 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 23 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19... 7

सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह लोगों में यह सोच विकसित कर देता है कि वो असफल नहीं हो सकते।
-बिल गेट्स

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान... 3

भाजपा सरकार में भर्तियों के लिए... 2

पीडीए वर्सेज अन्य की राजनीतिक लड़ाई अब बाबा साहेब तक आई

भीम सेना के बाद बसपा सुप्रीमो भी कूदीं, गर्वनर से लगाई गुहार

- अति संवेदनशीलता पर गरमाई सियासत
- ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में बाबा साहेब की लगने जा रही मूर्ति को रोकने का मामला
- बीजेपी के लिए आगे कुंआ पीछे खाई वाली स्थिति
- कानून के मंदिर में बाबा साहेब की मूर्ति का विरोध लोकतंत्र की आत्मा पर चोट

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में लगने जा रही बाबा साहेब की मूर्ति को कुछ वकीलों ने नहीं लगने दिया। मूर्ति लगने की तैयारियां पूरी हो चुकी थी और फाउंडेशन वर्क आदि को पूरा किया जा चुका था। उसके बाद भी मूर्ति नहीं लगने दी गयी।

इस मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती के कूदने के बाद अब यह राष्ट्रीय फलक पर एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। क्योंकि राहुल गांधी, अखिलेश यादव, स्टालिन और ममता बनर्जी जैसे राजनेता पहले से ही सरकार को दलित उत्पीड़न पर घेर रहे हैं। कई पर इस तरह के बयान समाने आये हैं जिसमें दलितों की आवाज को दबाये जाने का आरोप लगा है। ऐसे महौल में बाबा साहेब की मूर्ति का यह मामला अतिसंवेदनशील रूख अखितयार कर रहा है।

आजादी के 77 वर्षों बाद भी बाबा साहेब को लेकर समाज का एक वर्ग अब भी असहज क्यों है

सभी जगह मूर्तियां तो फिर विरोध क्यों?

देश के प्रत्येक पुलिस थाने में मंदिर स्थापित हैं। सार्वजनिक स्थलों पर महापुरूषों की मूर्तियों की भरमार है। रेलवे स्टेशन हो या फिर एयरपोर्ट वहां भी महापुरूषों और राजनेताओं की मूर्तियां लगी है। अनेकों योजनाओं और सरकारी कार्यलायों का नाम राजनेताओं के नाम पर है। कई राज्यों के न्यायालय परिसरों में महात्मा गांधी, सरदार पटेल और अन्य नेताओं की मूर्तियाँ पहले से हैं। फिर ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में संविधान शिल्पी बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति लगने का विरोध यह कह कर किया जा रहा है कि अदालतें किसी भी विचारधारा या व्यक्तित्व के प्रभाव से मुक्त रहनी चाहिए। मूर्ति लगने से न्यायालय परिसर में राजनीतिक भावनाओं का प्रवेश होगा अपने आप मे सवाल खड़े कर रहा है।

कौन लोग नहीं चाहते

ग्वालियर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कुछ वकील नहीं चाहते है कि हाईकोर्ट परिसर में बाबा साहेब की मूर्ति लगे। एडवोकेट पवन पाठक के नेतृत्व में बार एसोसिएशन ने यह कहते हुए मूर्ति स्थापना का विरोध किया है कि न्यायालय परिसर में कोई भी मूर्ति नहीं लगाई जानी चाहिए क्योंकि यह सर्वधर्म समभाव और जात-पात से ऊपर उठकर काम करता है। अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के लिए कोर्ट परिसर में फाउंडेशन स्ट्रक्चर तक तैयार किया जा चुका था। लेकिन वीकीलों के झुंड ने मूर्ति स्थापना का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर महापुरुषों की मूर्तियाँ लगाने से मना किया गया है।

अगड़ा बनाम पिछड़ा, बनता विवाद

ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने को लेकर उपजे विवाद ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आज़ादी के 77 वर्षों बाद भी बाबा साहेब को लेकर समाज का एक वर्ग अब भी असहज क्यों है। यह विवाद केवल एक मूर्ति का नहीं है, बल्कि भारतीय न्याय व्यवस्था की आत्मा, बहुजन अस्मिता और ब्राह्मणवादी मानसिकता के टकराव की एक झलक है।

बीजेपी असमंजस में

ग्वालियर मूर्ति प्रकरण विवाद में बीजेपी की स्थिति असहज है। विपक्षी पार्टियां लगातार दलित उत्पीड़न का आरोप लगा रही है। यूपी जैसे महत्वपूर्ण राज्य में बीजेपी लोकसभा चुनाव में बड़ी हार का सामना कर चुकी है। बीजेपी रणनीतिकारों ने भी यही माना की पार्टी इस मुददे पर विपक्ष का समाना नहीं कर सकी और उसकी हार हुई। सपा/कांग्रेस पीडीए की जंग में धार देने में लगी है। ऐसे में राष्ट्रीय फलक पर इस तरह की खबरें दलित/ ओबीसी की बैचेनी को बड़ाने का काम करती है।

मायावती ने गर्वनर से अपील की

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मध्य प्रदेश के गवर्नर से इस पूरे प्रकरण में हस्तक्षेप करनें की मांग की है। एससी/ एसटी/ ओबीसी वकील अजाक्स जैसे संगठन मूर्ति स्थापना का समर्थन कर रहे हैं। उनके मुताबिक डॉ. अंबेडकर संविधान निर्माता हैं और उनकी मूर्ति न्यायालय परिसर में स्थापित होनी चाहिए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने न्यायालय, राज्यपाल और मुख्यमंत्री से सम्मानपूर्वक मूर्ति स्थापित कराने की मांग उठाई है। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट खंडपीठ ग्वालियर में अधिवक्ताओं की मांग व उन्हीं के आर्थिक सहयोग से बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाने की अनुमति माननीय कोर्ट द्वारा दी गई तथा कोर्ट के निर्देशन में ही स्थान का चयन एवं चबूतरा बनाया गया और मूर्ति भी बनकर तैयार हुई। उन्होंने आगे कहा कि किंतु कुछ जातिवादी सोच से ग्रसित अधिवक्ताओं द्वारा मूर्ति स्थापना का विरोध किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ वक्तव्यों के बावजूद इन पर कार्रवाई नहीं की गई।

भीम सेना भी कूदी

इस पूरे विवाद में भीम सेना भी कूद पड़ी है। भीम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवाब सतपाल तंवर ने कहा है कि ग्वालियर हाईकोर्ट में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा लगाने से रोकना न सिर्फ गलत है बल्कि यह संविधान निर्माता और एससी समाज का अपमान है। उन्होंने कहा है कि बाबा साहब के विचार वर्ण व्यवस्था को चुनौती देते हैं। उनके नाम, तस्वीर और मूर्ति से एक वर्ग हमेशा असहज महसूस करता है क्योंकि वह सत्ता-संरचना की जड़ें हिलाते हैं। उनके मुताबिक कोर्ट जैसी संस्थाओं में जब दलित अस्मिता के प्रतीक आते हैं तो यह सामाजिक वर्चस्ववादी मानसिकता को चुनौती देने काम करते हैं। मूर्ति का विरोध उसी भय का प्रतिबिंब मात्र है।

भाजपा सरकार में भर्तियों के लिए निकलता है सिर्फ जुमलाई विज्ञापन : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने कहा- रोजगार सरकार के एजेंडे में नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि युवाओं व नौकरी को लेकर भाजपा पर करारा वार किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि रोजगार भाजपा सरकार के एजेंडे में नहीं है। जिस तरह से नौकरियों के बारे में की गयी पोस्ट डिलीट कर दी गयी है, वैसे ही नौकरियां भी उत्तर प्रदेश से डिलीट कर दी गयीं हैं। प्रदेश सरकार का 1,93,000 शिक्षक भर्तियों के जुमलाई विज्ञापन से जन्मा आक्रोश 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार का राजनीतिक गणित है।

उन्होंने कहा कि मान लिया जाए कि एक पद के लिए कम से कम 75 अभ्यर्थी होते तो यह संख्या होती है 1,44,75,000 और एक अभ्यर्थी के साथ यदि केवल उनके अभिभावक जोड़ लिए जाएं तो कुल मिलाकर 3 लोग इससे प्रभावित होंगे अर्थात ये संख्या बैठेगी 4,34,25,000। ये सभी व्यस्क होंगे अतः इन्हें 4,34,25,000 मतदाता मानकर अगर उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों से विभाजित कर दें तो ये आंकड़ा लगभग 1,08,000 वोट प्रति सीट का आयेगा और अगर इनका आधा भी भाजपा का वोटर मान लें चूंकि भाजपा 50 फीसदी वोटर्स की जुमलाई बात करती आई है, तो लगभग 1,08,000 का आधा मतलब हर सीट पर 54,000 मतों का नुकसान भाजपा को होना तय है। भाजपा 2027 के विधानसभा चुनावों में दहाई सीटों पर ही सिमट जाएगी।

भाजपा के साम्प्रदायिक राजनीति का फेल हो चुका है फार्मूला

अखिलेश यादव ने कहा कि वैसे भी किसानों-मजदूरों की बेकारी, युवाओं की बेरोजगारी, खान-पान,दवाई, पढ़ाई, डीजल-पेट्रोल और हर चीज की महंगाई, महिलाओं के अपमान और असुरक्षा, हर काम में भ्रष्टाचार, पीडीए के साथ उत्पीड़न और अत्याचार, भाजपा राज में सत्ता में सजातीय पक्षपात, भाजपा में दो फाड़, कमीशनखोर अधिकारियों को बचाने की साजिश, सच्चे अधिकारियों के परिवारों पर व्यक्तिगत हमला, बुद्धिजीवियों और पत्रकारों पर एफआईआर और उनकी गिरफ्तारी, विपक्ष पर झूठे मुकदमें, फर्जी एनकाउंटर का डर, केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग, पुलिस का भ्रष्टाचारीकरण, शिक्षक, शिक्षामित्र, आशा, आंगनबाड़ी, सहायिका, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की उपेक्षा, खरबपतियों के फायदे के लिए नियमों-कानूनों को तोड़ने-मरोड़ने की नीति, छोटे दुकानदारों, व्यापारियों, कारोबारियों, कारखानेवालों का जीएसटी के नाम पर शोषण और वसूली, वर्क-लाइफ बैलेंस बिगाड़कर कर्मचारियों का शोषण, असुरक्षित क्षेत्र में अस्थायी काम करने वाले डिलीवरी पर्सन, ड्राइवर या अन्य को कोई भी सामाजिक सुरक्षा न मिलने, बीमा पर टैक्स वसूलने, जनता की बचत पर मिलने वाले ब्याज का कम होने और उस पर भी टैक्स वसूलने, कलाकारों की अभिव्यक्ति पर डर की तलवार, स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों, जल व विद्युत आपूर्ति की दुर्दशा और लगातार बढ़ते बिल जैसे न जाने कितने मुद्दे हैं, जो जनता में भाजपा के खिलाफ आक्रोश का उबाल ला चुके हैं। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की पराजय के बाद भाजपा का सारा सियासी समीकरण और साम्प्रदायिक राजनीति का फार्मूला फेल हो चुका है।

भाजपा में मचेगी भगदड़

श्री यादव ने कहा कि पुलिस भर्ती के मामले में भर्तियों का ये गणित भाजपा को उत्तर प्रदेश में लगभग आधी सीटों पर हारने में सफल भी रहा है, ऐसे आंकड़ों को अब सब गंभीरता से लेने लगे हैं। अब ये मानसिक दबाव का नहीं वरन सियासी सच्चाई का आंकड़ा बन चुका है। उन्होंने कहा कि जैसे ही ये आंकड़ा प्रकाशित होगा और विधानसभा चुनाव लड़ने वाले भाजपाई प्रत्याशियों के बीच जाएगा वैसे ही उनका राजनीतिक गुणा-गणित टूट कर बिखर जाएगा और विधायक बनने का उनका सपना भी। इससे भाजपा में एक तरह से भगदड़ मच जाएगी। ऐसे में भाजपा को मतदाता ही नहीं बल्कि प्रत्याशियों के भी लाले पड़ जाएंगे। भाजपा सरकार के विरोध में प्रदेश की जनता पूरी तरह आक्रोशित है। जनता 2027 के चुनाव में भाजपा को बुरी तरह से हराने और हटाने के लिए कमर कसकर पूरी तरह तैयार है।

लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर लगा पोस्टर, लिखा- अखिलेश आंधी है ले जाएगा सरकार

यूपी में पोस्टर वार जारी है। गुरुवार को राजधानी लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर सपा नेता मोहम्मद इखलाक ने होर्डिंग लगाकर अखिलेश यादव को पलावर नहीं फायर बताया। पोस्टर में लिखा कि पुतला जलाकर सोचा रोक दोगे रफ्तार, अखिलेश तो आंधी है ले जाएगा सरकार।

भाजपा का राष्ट्रवाद एक छलावा : मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती में गुरुवार को अपनी जनता पार्टी की संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा पहुंची। यात्रा के साथ पार्टी अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य भी पहुंचे। यहां कटरा में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरा। यह यात्रा 15 मार्च से सामाजिक परिवर्तन आंदोलन के महानायक कांशीराम की जन्म जयंती पर निकाली जा रही है।

मौर्य ने कहा कि देश में अपनी गिरती साख ह्यह्यको बचाने के लिए भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कुश्ती लड़ रहे थे। दिखावे के बाद जनता की इच्छा के विरुद्ध 24 घंटे के अंदर युद्ध विराम की घोषणा कर दी। जातीय जनगणना के सवाल पर कहा कि जातीय जनगणना ही हमारी यात्रा की प्रमुख मांग है। इसके लिए प्रधानमंत्री ने घोषणा तो कर दी है, लेकिन इनके चाल, चरित्र व चेहरे से नहीं लगता कि यह कुछ करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि बिहार चुनाव की वैतरणी पार करने के लिए यह घोषणा कर दी है। जब तक व्यावहारिक जामा नहीं दिया जाता, तब तक हमें शक है कि जातीय जनगणना कराएंगे। मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम के सेना पर दिए बयान पर कहा कि भाजपा की सोच बहुत घटिया है। सेना व सैनिक अपनी जान हथेली पर रखकर सीमा की सुरक्षा करते हैं, तब 140 करोड़ लोग चैन की नींद सोते हैं। भाजपा के तमाम नेता कुछ भी बयान देते रहते हैं। इनका राष्ट्रवाद स्वाभाविक रूप से छलावा व दिखावा है।

भाजपा की तिरंगा यात्रा के जवाब में कांग्रेस करेगी जय हिंद सभा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। भाजपा की तिरंगा यात्रा के जवाब में कांग्रेस जय हिंद सभा करेगी। हाईकमान के निर्देश पर राजधानी शिमला स्थित होटल पीटरहॉफ में 30 मई को सभा होगी। तैयारियों का जायजा लेने वीरवार शाम पार्टी के सह प्रभारी विदित चौधरी शिमला पहुंचे।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह सहित सभी कैबिनेट मंत्री और पार्टी विधायक कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। 24 से 31 मई में तक पूरे देश में कांग्रेस पार्टी जय हिंद सभाओं का आयोजन कर रही है। भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और सम्मान को पूरे देश में जन-जन तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस ने जय हिंद सभाएं करने का फैसला लिया है। सभाओं का यह अभियान 24 से 31 मई तक देश के 16 प्रमुख शहरों में चलेगा। इस पहल के माध्यम से पार्टी न केवल सेना के प्रति सम्मान व्यक्त करेगी। केंद्र सरकार से सुरक्षा चूक और हालिया आतंकवादी घटनाओं पर जवाबदेही की मांग भी करेगी।

अजय माकन, रजनी पाटिल रहेंगी मौजूद

मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कि देश के वीर सैनिकों के सम्मान में 30 मई को शिमला में सुबह 11:00 बजे जय हिंद सभा करने का फैसला लिया है। इस सभा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता अजय माकन, पार्टी की महासचिव एवं हिमाचल कांग्रेस की प्रभारी रजनी पाटिल विशेष तौर पर शामिल होंगे।

दुष्कर्म मामले में राकेश राठौर को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के सीतापुर से कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से दुष्कर्म के मामले में बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने सीतापुर के ट्रायल कोर्ट में उनके खिलाफ चल रही सभी कार्यवाहियों पर मामले की अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। मामले को 28 जुलाई से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

सभी कार्यवाहियों पर लगी अंतरिम रोक

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने यह आदेश राकेश राठौर द्वारा दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर दिया। इसमें ट्रायल कोर्ट के बीती पांच मई के उस आदेश को चुनौती दी गई थी। इसमें राठौर को दुष्कर्म मामले से आरोपमुक्त करने की अर्जी खारिज कर दी गई थी। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई तक पांच मई के इस आदेश पर भी रोक लगा दी है। राठौर के अधिवक्ता का कहना था कि अभियोजन के आरोप आधारहीन हैं, क्योंकि, तथ्यों से कथित दुष्कर्म की घटना सही नहीं है।

उधर, सरकारी वकीलों ने यह कहकर याचिका का विरोध किया कि मामले में अभियुक्त राठौर के खिलाफ ठोस साक्ष्य हैं, जिनका मूल्यांकन अभी आरोप तय करने के स्तर पर नहीं किया जा सकता।कोर्ट ने मामले के तथ्यों के मद्देनजर याचिका पर अगली सुनवाई तक के लिए ट्रायल कोर्ट में राठौर के खिलाफ इस मामले में चल रही सभी कार्यवाहियों पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने पुनरीक्षण याचिका विचारार्थ मंजूर कर मामले में राज्य सरकार समेत पक्षकारों को जवाब दाखिल करने को दो सप्ताह का समय दिया है।

दुष्कर्म मामले में जमानत पर हैं सांसद राठौर

अभियोजन के मुताबिक एक 49 वर्षीय विवाहित महिला ने 17 जनवरी 2025 को कोतवाली सीतापुर में राठौर के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करवाकर आरोप लगाया है कि उन्होंने चार साल से उसका यौन उत्पीड़न किया। इस मामले में राठौर जमानत पर हैं।

आप फिर दिल्ली में संवारेगी संगठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कई राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी ने नई जिम्मेदारियों की घोषणा करते हुए कई राज्यों के लिए प्रभारियों और सह-प्रभारियों की लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) और राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक ने इन नियुक्तियों की औपचारिक घोषणा की।

» पार्टी करेगी बड़े बदलाव, कई नेताओं को मिली जिम्मेदारी

दिलीप पांडे को पार्टी का ओवरसीज कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। जितेंद्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश, राजेश गुप्ता को कर्नाटक, ऋतुराज गोविंद को हिमाचल प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस सूची के अनुसार, उत्तराखंड के प्रभारी महेन्द्र यादव बनाए गए हैं। केरल में शेली ओबेरॉय, महाराष्ट्र में प्रकाश जारवाल, राजस्थान में धीरेश टोकस, तेलंगाना में प्रियांका कक्कड़, तमिलनाडु में पंकज सिंह और लद्दाख में प्रभाकर गौर को प्रभारी बनाया गया है। 2027 में विधानसभा चुनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी ने यूपी पर खास फोकस किया है। यूपी के लिए चार सीनियर नेताओं को सह प्रभारी बनाया गया है। दिलीप पांडे, विशेष रवि, अनिल झा और चंद्रेंद्र कुमार को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान तबाह, पर भारत में अब भी है आह!

कातिल एक महीने बाद भी फरार, जनता ने कहा जवाब दे सरकार

- सीमा पार भागने का शक, आतंकियों के जारी हो चुके स्केच
- नेताओं की नहीं रूक रही राजनीतिक चाह
- विपक्ष ने भी केंद्र सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू के पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले को एक महीना पूरा हो चुका है, लेकिन इसके गुनहगार अब भी फरार हैं। हालांकि उस कायराना हरकत के बाद पूरे देश ने एकजुटता दिखाते हुए पाकिस्तान के खिलाफ सरकार से सख्त रूख अपनाने को कहा। सरकार ने भी आमजन से लेकर खासजनों के मंशा का ध्यान रखते हुए पाकिस्तान के आंतकी ठिकानों पर हमले के लिए सेना को खुली छूट दे दी। इसके बाद चार दिन तक सेना भयंकर मिसाइल हमलों में उसे तबाह कर दिया। पर जब हम पाकिस्तान पर बढ़त ले चुके थे तब अचानक सीजफायर कर दिया गया।

इस सीजफायर में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के हस्तक्षेप की वजह से देश का सियासी माहौल गरमा गया। हालांकि सरकार ने हस्तक्षेप की खबरों को गलत बता दिया है। उसके बाद दुनिया में प्रतिनिधिमंडल भेजने को लेकर भी मच-मच मची है। अब नया शोर पहलगाम घटना के एक महीने बीत जाने के बाद फिर मचने लगा है। सबसे विडंबना ये है कि इस एक महीने में तीन आतंकियों के स्केच जारी किए गए, सौ से अधिक लोगों से पूछताछ की गई और 20 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया, फिर भी जांच एवं खुफिया एजेंसियों के पास आतंकियों की कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। हमले से जुड़ा एक भी आतंकी न तो मारा गया और न ही गिरफ्तार हुआ है। आतंकियों को लेकर विभिन्न खुफिया सूचनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन कोई भी पुख्ता तथ्य नहीं है। एक सूचना के अनुसार, आतंकी हमला करके नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार चले गए हैं। वहीं, एक अन्य सूचना बताती है कि आतंकी अब भी पहलगाम और इसके आसपास के घने जंगलों में बार-बार अपनी लोकेशन बदलकर ठिकानों में छिपे हुए हैं। हालांकि, सेना का कहना है कि आतंकियों की तलाश में सभी प्रयास किए जा रहे हैं। सेना और पुलिस मिलकर अभियान चला रही हैं और आतंकियों का जल्द सफाया किया जाएगा। सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर विजय सागर का मानना है कि पहलगाम में आतंकियों ने सिर्फ हमला करने की ही नहीं, बल्कि हमला करके सुरक्षित भाग निकलने की भी पूरी प्लानिंग की थी।

बेहद प्रशिक्षित थे ये आतंकी

उन्होंने कहा कि हमले के बाद इलाके की घेराबंदी करने में ही चार से पांच घंटे का समय लग गया था। यह संभव है कि आतंकी हमला करके सीमा पार वापस चले गए होंगे, क्योंकि चार से पांच घंटे उनके लिए पहलगाम से एलओसी तक पहुंचने के लिए पर्याप्त समय है। ये आतंकी बेहद प्रशिक्षित थे। इस कायराना हमले की जिम्मेदारी शुरुआत में पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तायबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी, हालांकि बाद में वह इससे मुकर गया। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार, हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है।कहा जाता है कि सैफुल्लाह खालिद आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी है और पाकिस्तानी सेना पर उसका गहरा प्रभाव है। वह पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों की मदद करता है और जवानों को भारत के खिलाफ भड़काता है।

कोई मतभेद नहीं है : कनिमोझी

डीएमके सांसद कनिमोझी का बड़ा बयान सामने आया है। कनिमोझी आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई को प्रदर्शित करने के लिए प्रमुख भागीदार देशों का दौरा करने वाले 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व भी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने आतंकवाद के कारण 26 लोगों की जान गंवाई और हम इस बारे में बात करना चाहते हैं कि वास्तव में क्या हुआ और आतंकवाद के कारण इस देश में क्या हो रहा है। हम इसे रोकना चाहते हैं। भारत की स्थिति को स्पष्ट किया जाना चाहिए क्योंकि बहुत से लोग और निहित स्वार्थी लोग हैं जो अलग-अलग कहानियां बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कनिमोझी ने साफ तौर पर कहा कि सच्चाई को बताया जाना चाहिए और इसीलिए विभिन्न दलों के नेताओं के साथ प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के कई देशों में भेजे जा रहे हैं ताकि जो कुछ हुआ है उसे समझाया जा सके और जो कुछ हुआ है उसके बारे में हमारी स्थिति को भी स्पष्ट किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले ही जो कुछ हुआ है उसके बारे में बोल दिया है। कोई दो रुख नहीं हैं। वे बहुत स्पष्ट रहे हैं, खुले तौर पर बोले हैं कि हम पर कैसे हमला किया गया और हमने कैसे जवाब दिया और हम इसका समाधान कैसे खोजना चाहते हैं। इसलिए, हम वही बात स्पष्ट करना चाहते हैं जो हमने पहले ही बता दी है।डीएमके सांसद ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब इस देश की सुरक्षा और संप्रभुता की बात आती है तो हम सभी एक साथ खड़े होते हैं।

जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वह मलबे के ढेर में दबे हुए हैं : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर रैली में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, जब सिंदूर विस्फोटक बन जाता है, तो परिणाम सबके सामने आता है। मोदी ने कहा क यह शोध-प्रतिशोध का खेल नहीं, यह न्याय का नया स्वरूप है, यह ऑपरेशन सिंदूर है। यह सिर्फ आक्रोश नहीं है, यह समर्थ भारत का रौद्र रूप है, यह भारत का नया स्वरूप है। पहले घर में घुसकर किया था वार, अब सीधा सीने पर किया प्रहार है। मोदी ने कहा कि एयरस्ट्राइक के बाद मैं चुरू में आया था और मैंने कहा था- सौगंध मुझे इस मिट्टी की, मैं देश नहीं मिटने दूंगा, मैं देश नहीं झूकने दूंगा। आज मैं राजस्थान की धरती से देशवासियों से कहना चाहता हूं- जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में मिलाया है। जो हिंदूस्तान का लहू बहाते थे आज कतरे-कतरे का हिसाब चुकाया है, जो सोचते थे भारत चुप रहेगा आज वह घरों में दुबके पड़े हैं। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वह मलबे के ढेर में दबे हुए हैं।

प्राथमिकता आतंकवादियों को पकड़ना होनी चाहिए, न कि सांसदों को दूसरे देशों में भेजना : जयराम रमेश

ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक प्रसार के लिए विभिन्न देशों में पहुंच रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि एक तरफ हम प्रतिनिधिमंडल भेज रहे हैं, लेकिन मुझे सूत्रों से पता चला है कि पहलगाम हमले के आतंकवादी पिछले 18 महीनों में हुए तीन अन्य आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार हैं वे जम्मू-कश्मीर में घूम रहे हैं और हमारे सभी सांसद दुनिया भर में घूम रहे हैं। प्राथमिकता आतंकवादियों को पकड़ना होनी चाहिए, न कि सांसदों को दूसरे देशों में भेजना... इन सवालों का जवाब कौन देगा? संसद का सत्र होना चाहिए, लेकिन इसे बुलाया नहीं गया है। प्रधानमंत्री कभी भी सर्वदलीय बैठकों में मौजूद नहीं होते हैं। वे कोई जवाब नहीं देते हैं।

पीओके को वापस लेने के लिए निर्णायक लड़ाई जरूरी : आठवले

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सरकार से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने के लिए निर्णायक लड़ाई शुरू करने की मांग की और इस बात पर बल दिया कि कूटनीतिक प्रयासों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि पीओके को भारतीय नियंत्रण में वापस लाया जाना चाहिए। आठवले ने कहा कि सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करने के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को रोकना एक सही कदम नहीं था। उन्होंने कहा, ''सैन्य कार्रवाई को रोकना अच्छी बात नहीं थी। आतंकवादियों के खिलाफ भारत सरकार की कार्रवाई बंद नहीं हुई है। हमारे रक्षा बल आतंकवादियों के खिलाफ लड़ रहे हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी 'रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया' (आठवले) के प्रमुख ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम शहर में हुए आतंकवादी हमले के बाद मोदी सरकार की त्वरित जवाबी कार्रवाई की प्रशंसा की। मुंबई में उनकी पार्टी द्वारा आयोजित भारत जिंदाबाद यात्रा में आठवले ने कहा, ''पाकिस्तान को पीओके वापस करने का प्रस्ताव भेजा गया है। अगर वह ऐसा करने से इनकार करता है तो पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक लड़ाई होनी चाहिए। इसे (पीओके) वापस पाना हमारी दृढ़ मांग है।'' अठावले ने भारत द्वारा पीओके को वापस पाने की संभावनाओं के बारे में आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि पीओके जल्द ही भारत के पास होगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गरीबों का निवाला भी छीन रहा है भ्रष्टाचार

सरकारों द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने पर बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं। पर हकीकत ये है कि 11 साल बाद भी ये रूक नहीं रहा है बल्कि और फलफूल रहा है। आज हालात यह है कि भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों एवं भ्रष्ट लोगों को बचाने तक ही सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी छीन रही है। सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं, लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है।

विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा एक असामान्य घटनाक्रम के तहत भ्रष्टाचार के एक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तीन अधिकारियों को उसी सीबीआई की हिरासत में भेज देना न केवल चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है बल्कि विडम्बनापूर्ण है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन सीबीआई जैसी जांच एजेन्सी में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होना इस सूरज को उदित होने से पहले ही अंधेरा की ओट में ले रहा है। इससे भी बड़ी त्रासद एवं निराशाजनक है गुजरात में 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में मंत्री बच्चू भाई खाब के दो बेटों का गिरफ्तार होना। राजनीति एवं कार्यपालिका के साथ न्याय पालिका के क्षेत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिलना भ्रष्टाचार के सर्वत्र व्याप्त होने को दर्शा रहा है। जनता कब तक भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढोती रहेगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचारमुक्त आदर्श राष्ट्र-निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे? कैसे आजादी के अमृत काल में ईमानदार राष्ट्र बना पायेंगे? न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने 25 अप्रैल को सीबीआई के तीन अधिकारियों के भ्रष्टता पर अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई, ईडी और ऐसे अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का अनूठा मामला है, जिसने हमारी कार्यपालिका और जांच तंत्र की पूरी संरचना को हिलाकर रख दिया है। इन एजेंसियों का प्राथमिक कर्तव्य अपराध की जांच करना और भ्रष्टाचार के दोषियों को सजा दिलाना है। लेकिन इन उच्च जांच एजेन्सियों के आला अधिकारी ही भ्रष्ट हो तो दूसरों के भ्रष्टाचार मामलों में निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण जांच की उम्मीद कैसे संभव है? सरकार व समाज दोनों को इस पर गंभीर होना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत की जल कूटनीति से पाकिस्तान लाचार

ज्ञानेन्द्र रावत

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय अब पाकिस्तान पर भारी पड़ने लगा है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़फायर के निर्णय के बाद सैन्य अभियानों पर अस्थायी विराम लगा है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पश्चात भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए कई निर्णय और प्रतिबंध यथावत? लागू हैं। इन निर्णयों में सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, पाकिस्तान को निर्यात पर रोक, वीज़ा प्रतिबंध तथा राजनयिक संबंधों में कटौती जैसे कदम शामिल हैं। दरअसल, सीजफायर के बावजूद पाकिस्तान की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती सिंधु जल समझौते के स्थगन को लेकर है, क्योंकि अब भारत इन नदियों के जल प्रवाह को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित कर सकता है — चाहे तो जल रोके या छोड़े। यह एक निर्विवाद सत्य है कि सिंधु जल समझौते के अंतर्गत सिंधु बेसिन की तीन प्रमुख नदियां— झेलम, चिनाब और सिंधु— का लगभग 80 प्रतिशत जल पाकिस्तान को मिलता था, जबकि भारत को केवल 19.5 प्रतिशत जल प्राप्त होता था।

उल्लेखनीय है कि भारत अपने हिस्से के जल का भी लगभग 90 प्रतिशत ही उपयोग करता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत ने अपने हिस्से के जल को पूरी तरह रोकना शुरू कर दिया। इसके साथ ही, जब भारत के बांधों में जल स्तर बढ़ता है, तो वह बिना किसी पूर्व सूचना के अतिरिक्त जल छोड़ देता है। पाकिस्तान की कृषि, पेयजल आपूर्ति और उसकी अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा सिंधु बेसिन से बहने वाली नदियों पर निर्भर है। सिंधु बेसिन की छह प्रमुख नदियां पाकिस्तान में प्रवेश करती हैं— जिनमें तीन पूर्वी प्रवाह वाली नदियां हैं सतलुज, ब्यास और रावी और तीन पश्चिमी प्रवाह वाली नदियां हैं झेलम, चिनाब और सिंधु। इनमें से पश्चिमी प्रवाह वाली नदियों— झेलम, चिनाब और सिंधु— का अधिकांश जल पहले पाकिस्तान को मिलता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत अब इन नदियों के जल को रोक रहा है।

परिणामस्वरूप, पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था ही नहीं, अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सीमा पर संघर्षविराम का जो निर्णय लिया है, उसके बहुतेरे अंतर्राष्ट्रीय कारण हैं। यह स्थिति चूंकि पाकिस्तान

द्वारा लाई गयी थी, इसलिए इस मसले पर पाकिस्तान के पीछे हटने पर भारत को सीजफायर मानना पड़ा। अब भारत, सिंधु जल समझौते को स्थगित करने से मिली अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठायेगा जो स्वाभाविक है। वहीं भारत, स्पष्ट कर चुका है कि आपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं। प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता। फिलहाल भारत सरकार सिंधु जल समझौता बहाल करने को तैयार नहीं है। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने इस मुद्दे को विश्व बैंक ले जाने का प्रयास किया था लेकिन वहां पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। विश्व बैंक ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मसले में एक मध्यस्थ की भूमिका में था। इसके आगे विश्व बैंक की कोई भूमिका नहीं है। पाकिस्तान अब इस मसले को संयुक्त राष्ट्र ले जाने की तैयारी में लगा है। भारत स्पष्ट कर चुका है कि उसने समझौते के प्रारूप के तहत ही समझौते के स्थगन का कदम उठाया है। पाकिस्तान का इस संदर्भ में कहना है कि अगर सिंधु जल समझौते को भारत द्वारा खत्म किया जाता है और उसकी तरफ आने वाले पानी को रोका जाता है तो वह इसे युद्ध मानेगा। अपनी ओर से इसका हरसंभव विरोध करेगा। एक ओर पाकिस्तान इस मुद्दे का पुरजोर विरोध करने की बात कर रहा है, वहीं वह भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय से समझौते के स्थगन के फैसले पर पुनर्विचार करने की गुहार भी लगा रहा है। यही नहीं, भारत से सीधे बातचीत के लिए भी तैयार है। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव ने इस बाबत संकेत भी दिये हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी दिल्ली की दीर्घकालीन चिंताओं पर चर्चा करने के इच्छुक हैं। पाकिस्तान के अनुरोध पत्र को भारतीय जलशक्ति मंत्रालय ने इस समझौते के लिए अधिकृत विदेश मंत्रालय को भेजा है जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कह दिया है कि इस मुद्दे पर पुनर्विचार का सवाल ही नहीं उठता। भारत अब इन तीन नदियों के पानी को अपने लिए इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। इस पर काम भी जारी है। साथ ही मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। गौरतलब है कि सिंधु जल समझौता स्थगित होने से देश को काफी लाभ होगा। समझौता स्थगन के दौर में भारत सिंधु बेसिन के तहत आने वाली छह नदियों का पानी अपने हिसाब से इस्तेमाल करेगा।

लोकलाज के बिना अधूरा ही है लोकराज

विश्वनाथ सचदेव

जनतंत्र का एक नाम लोकराज भी है। समाजवादी विचारक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया कहा करते थे, 'लोकराज लोकलाज से चलता है।' अर्थात? कुछ मर्यादा है जनतांत्रिक व्यवस्था की जिनका पालन उन सबको करना चाहिए जो इस व्यवस्था को जीते हैं। इन मर्यादाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान उस भाषा का है जो हमारे राजनेता काम में लेते हैं। संसद से लेकर सड़क तक आज जो भाषा हमारी राजनीति को परिभाषित कर रही है, वह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि हमारे राजनेता या तो ऐसी किसी मर्यादा को जानते नहीं हैं, या फिर उसे मानना नहीं चाहते। दोनों ही स्थितियां चिंताजनक हैं। मर्यादाओं का जानना ज़रूरी है और उनका पालन करना भी। दुर्भाग्य से यह दोनों काम नहीं हो रहे।

भाषा का सीधा रिश्ता व्यक्ति की सोच से है। जैसी आपकी सोच होगी, वैसे ही भाषा भी होगी। इसलिए जब हमारा कोई नेता घटिया भाषा बोलता है तो निश्चित रूप से उसकी सोच भी उतनी ही घटिया होती है। चिंता की बात तो यह है कि हमारे नेताओं को अपनी घटिया सोच की कोई चिंता नहीं दिखती। उन्हें यह लगता ही नहीं कि वह कुछ ग़लत कर रहे हैं। ऐसे में उनसे किसी प्रकार की लोकलाज की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है? अभी हाल में कांग्रेस के एक बड़े नेता प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक की भाषा में बात कर रहे थे। प्रधानमंत्री के संदर्भ में वह कहना चाहते थे कि 'उन्हें इस बात का पता नहीं है', पर उन्हें की जगह उसे कहने में नेताजी को तनिक भी संकोच नहीं हो रहा था। दूसरी तरफ भाजपा के एक सांसद कांग्रेस के इन बड़े नेताजी के संदर्भ में कह रहे थे कि प्रधानमंत्री की तुलना में वह नाली के कीड़े के समान है। यह एक उदाहरण ही इस बात को समझने के लिए पर्याप्त है कि हमारे नेताओं की एक-दूसरे के प्रति सोच कैसी है और हमारी राजनीति का स्तर कितना छोटा होता जा रहा है! यह हमारे नेताओं के बौने होते जाने का उदाहरण भी है और हमारी राजनीति के घटिया स्तर का भी।

अपने राजनीतिक विरोधी की आलोचना करना कतई गलत नहीं है, पर आलोचना और गाली-गलौज में अंतर होता है। लगता है इस अंतर को हमारे नेताओं ने भुला दिया है या फिर याद रखना नहीं चाहते। आज घटिया भाषा हमारी राजनीति का 'नया सामान्य' बन चुकी है। इन नेताओं में प्रतियोगिता इस बात की चल रही है कि लोकलाज की दृष्टि से कौन कितना घटिया है। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे 'संघर्ष' (युद्ध ही कहना चाहिए इसे) के दौरान हमारी सेनाओं ने जनता को इसकी जानकारी देने के लिए सेना की दो महिला अफसरों को नियुक्त किया था। इनमें से एक महिला मुसलमान थी और यह अनायास नहीं हुआ था। बहुत सोच-समझकर इस महिला सैन्य-अधिकारी को यह काम सौंपा गया था। एक अच्छा उदाहरण था यह इस बात का इस देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, आतंकवाद के, और विदेशी हमले के खिलाफ, पहले भारतीय है।

लेकिन मध्य प्रदेश के एक मंत्री ऐसा नहीं मानते, इस महिला अधिकारी के लिए उन्होंने जिन शब्दों का उपयोग किया वह कोई भी सभ्य व्यक्ति नहीं करना चाहेगा। लेकिन हमने देखा कि संसद में भी हमारे सांसदों को एक-दूसरे के प्रति घटिया भाषा का इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं होता। हैरानी की बात तो यह है कि जब एक सांसद महोदय सदन में घटिया भाषा में बोल रहे थे तो वहां उपस्थित पार्टी के बड़े नेताओं में से किसी ने भी उन्हें रोकने की आवश्यकता अनुभव नहीं की! और सेना की महिला-प्रवक्ता के संदर्भ में भी घटिया भाषा और घटिया सोच वाले यह मंत्री जी अभी तक अपने पद पर बने हुए हैं। न उन्होंने इस्तीफा दिया है, न उनसे इस्तीफा मांगा गया है। भाजपा के नेतृत्व ने यह कहकर इस शर्मनाक कांड से पल्ला झाड़ लिया है कि अब मामला न्यायालय में है, इसलिए इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहिए! हैरानी की बात तो यह है कि देशभर में इस मंत्री महोदय की थू-थू हो रही है, पर फिर भी भाजपा का नेतृत्व इस आवाज़ को सुन नहीं रहा! टी.वी. के विभिन्न चैनलों पर प्रतिदिन बहस होती है। इन बहसों का स्तर भी इतना घटिया हो गया है कि हैरानी होती है इनमें भाग लेने वाले अधिसंख्य प्रतिनिधियों की बुद्धि पर। अपने दल की रीति-नीति का समर्थन करना स्वाभाविक है। कुछ ग़लत भी नहीं है इसमें। लेकिन, अक्सर जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल राजनीतिक-दलों के प्रवक्ता करते हैं उसे किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता।

दूसरे की लकीर को छोटा करने के लिए अपनी लकीर लंबी करनी होती है, पर हमारे राजनेता और राजनीतिक दलों के प्रवक्ता दूसरे की लकीर को मिटाने की नीति में विश्वास करते हैं, और इस कोशिश में सारी मर्यादाएं लांघ जाते हैं। अमर्यादित भाषा घटिया सोच और बीमार मानसिकता की परिचायक होती है। इस बात को हमारे राजनेता समझना नहीं चाहते। एक बात और भी है। घटिया अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने पर जब उंगली उठती है तो वे 'मुझे ग़लत समझ गया' अथवा 'मेरे कहने का यह मतलब नहीं था' जैसे वाक्यांशों से अपना बचाव करते हैं। जब टी.वी. नहीं था और रिकॉर्डिंग करने की कोई व्यवस्था नहीं थी तो हमारे राजनेता 'मैंने ऐसा नहीं कहा' का सहारा लेते थे। अब यह नहीं कहा जा सकता, इसलिए वे कहते हैं, 'मेरे कहने का यह अर्थ नहीं था'। इन नेताओं को बताना होगा कि भाषा की मर्यादा का उल्लंघन किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। अमर्यादित भाषा अराजकता का संकेत देती है।

बड़े मंगल पर हनुमान जी को लगाएं बूंदी का भोग

ज्येष्ठ माह के हर मंगलवार का हिंदू धर्म में काफी महत्व होता है। इस दिन विशेष रूप से भगवान हनुमान की पूजा की जाती है। इसलिए इस दिन को बड़ा मंगल भी कहते हैं। बात करें इस साल की तो वर्ष 2025 में ज्येष्ठ मास में कुल पांच बड़े मंगल होंगे। ऐसे में आज बजरंगबली के भक्त उनकी पूजा-अर्चना में जुटे हैं। इस दिन भगवान को उनके प्रिय पकवानों का भोग लगाया जाता है, जो कि बूंदी है। ऐसे में यदि आप भी हनुमान जी को खुश करना चाहते हैं तो घर पर ही बूंदी तैयार करें और उसका भोग लगाएं।

विधि

इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो बेसन को छानकर एक बाउल में लें। इसके बाद उसमें पानी थोड़ा-थोड़ा करके डालें। ध्यान रखें कि ये ज्यादा गाढ़ा नहीं होना चाहिए। इसे इतनी अच्छी तरह से मिक्स करें कि एक भी गांठ न बन पाए। यदि घोल तैयार करते समय गांठ रह गई तो बूंदी सहे से नहीं बन पाएगी। अब आप चाहें तो इसमें खाने वाला नारंगी रंग मिक्स कर सकते हैं, ताकि इसका रंग बदल जाए। जब घोल तैयार हो जाए तो एक कढ़ाई में सबसे पहले तो तेल या घी को गर्म करें। अब एक बूंदी छानने वाली छलनी लेकर घोल को छलनी पर डालें। इससे बूंदी छन-छन के अपने आप तेल में गिरने लगेगी। जब ये सुनहरी हो जाए तो इसे तेल से निकालकर टिश्यू पेपर पर रख लें, ताकि इसका अतिरिक्त तेल निकल जाए। जब तक ये सूख रही है तब तक चाशनी तैयार करें। इसके लिए एक पैन में 1 कप चीनी और ½ कप पानी डालें। अब इसे मध्यम आंच पर पकाएं जब तक एक तार की चाशनी न बन जाए। अब उसमें इलायची और केसर डालें। चाशनी के तैयार होने के बाद इसमें बूंदू मिक्स करें और लगातार चलाएं। कुछ देर इसे ऐसे ही रखें ताकि बूंदी चाशनी को सोख लें। अब प्रसाद की बूंदी तैयार है, आप इसका भोग लगा सकती हैं।

सामान

बेसन- 1 कप, पानी- लगभग ¾ कप, खाने का नारंगी रंग - 1 चुटकी, घी या तेल - तलने के लिए, चीनी - 1 कप, पानी- ½ कप, इलायची पाउडर- ½ छोटा चम्मच, केसर, तुलसी का पत्ता।

बच्चों के लिए तैयार करें आइसक्रीम

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में हर कोई ऐसी चीजों का सेवन करना चाहता है, जिसके सेवन से शरीर को ठंडक महसूस हों। इन चीजों में सबसे पहले आती है आइसक्रीम। बच्चों से लेकर बड़े लोगों तक को आइसक्रीम का सेवन पसंद आता है। इस मौसम में बाजार में कई तरह के फ्लेवर वाली आइसक्रीम मिलती है, लेकिन बाजार में मिलने वाली आइसक्रीम का ज्यादा सेवन नहीं किया जा सकता। यदि आपको आइसक्रीम खाना पसंद है तो आप इसे घर पर भी तैयार कर सकते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी आइसक्रीम बनाने की विधि बताने जा रहे हैं, जिसको बनाने में चीनी और दूध की जरूरत भी नहीं पड़ती। इस वजह से ये आइसक्रीम काफी हेल्दी है। तो चलिए बिना देर किए आपको घर पर ही हेल्दी आइसक्रीम बनाने की विधि बताते हैं।

सामान

गर्मी के मौसम में बच्चों के लिए घर पर आइसक्रीम बनाने के लिए आपको पका हुआ आम, पका हुआ केला, खजूर, काजू, बादाम, पिस्ता।

विधि

ऊपर दिए गए सामानों की मदद से आप बिना दूध और चीनी की आइसक्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको आम और केले को फ्रीज करना है। दोनों चीजों को फ्रीज करने से लिए आम और केले को टुकड़ों में काटकर एक कटोरे में रखें और फिर इस कटोरे को फ्रिजर में रख दें। इसके बाद जब आइसक्रीम बनाने को तैयार हों, तो कम से कम 15 मिनट पहले खजूर को पानी में भिगो दें। इससे वो नरम हो जाते हैं। अब एक ब्लेंडर लेकर उसमें फ्रीज किए हुए केला, आम और भिगोकर रखे हुए खजूर डालें। खजूर के बीजों को निकाल लें। इसके बाद इसे तब तक ब्लेंड करें जब तक एकदम स्मूद और क्रीमी आइसक्रीम जैसा टेक्सचर न आ जाए। जब ये सही तरह से ब्लेंड हो जाए तो इसे निकालकर आइसक्रीम मोल्ड में डालें। इसके बाद इस मोल्ड में काजू-बादाम और पिस्ता को छोटे टुकड़ों में काटकर डाल दें और एक चम्मच से मिक्स करें। आखिर में इस आइसक्रीम मोल्ड को फ्रीजर में कम से कम 4-5 घंटे के लिए रख दें। बस आइसक्रीम तैयार है, अब इसे जब चाहें तब निकालकर सर्व करें और परिवारवालों का दिल जीतें।

हंसना मना है

जब देखा उन्होंने तिरछी नजर से, तो हम मदहोश हो गए। पर जब पता चला की नजर ही तिरछी है, तो हम बेहोश हो गए!

पत्नी: फोन पे इतनी धीमी आवाज में किस से बात कर रहे हो? पति: बहन से। पत्नी: तो फिर इतनी धीमी आवाज में किस लिए? पति: तेरी है, इसलिए।

पत्नी: शादी के दस साल हो गए और एक आप है, जो आज तक कहीं घूमाने तक नहीं ले गए। पति: ठीक है आज घूमने चलेंगे। शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली: छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति: अरे पगली लोग मरते हैं यहां आने के लिए।

बेटा: पापा आप शराब मत पिया करो। पापा: पिने दे बेटा, साथ क्या लेकर जाना है? बेटा: आप इसी तरह पीते रहे तो छोड़कर भी क्या जाओगे?

कहानी

व्यापारी और गधा

एक बार की बात है एक गधा और एक आदमी रास्ते से जा रहे थे, रास्ते में गधा किसी गहरे गड्डे में गिर जाता है, और वह उस गड्डे से बाहर नहीं निकल पता है यह देखकर वह आदमी अपने पसंदीदा गधे को गड्डे से निकालने का हर भरसक प्रयास करता है, लेकिन काफी प्रयत्न करने के बाद भी वो असफल हो जाता है, जिससे वह बहुत दुखी होता है, लेकिन वह आदमी अपने गधे ऐसी हालत में छोड़कर जाना भी नहीं चाहता था, तभी उसके दिमाग में एक विचार आता है वह उसे उसी गड्डे में ज़िंदा गाड़ने का मन बना लेता है, जिससे वह आसानी से मर सके। और फिर वह शांति से अपने घर जा सके। ऐसा सोचकर वह अपने गधे पर मिट्टी डालना आरंभ कर देता है, जैसे ही गधे पर मिट्टी गिरती है, वो उसे वजन के कारण हिलाकर हटा देता इस तरह आदमी जितनी मिट्टी उस गड्डे में डाल रहा था वह गधा अपने शरीर को हिलाकर वह मिट्टी को उसी गड्डे में गिरा देता ऐसा करने से उस गड्डे में काफी मिट्टी हो जाती है और अब गधा उसी मिट्टी पर चढ़ता जाता है। देखते ही देखते गधा उस गड्डे के बिल्कुल ऊपर आ जाता है और वह सुरक्षित बाहर आ जाता है। ऐसा होता देख वह आदमी बहुत खुश हो जाता है और इस तरह से गधे की जान भी बच जाती है।

कहानी से शिक्षा- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि समस्या के साथ जीना मत सीखो। समस्या से सीखो और आगे बढ़ो। दोस्तों यह हमारे हाथ में है की हम या तो समस्या रूपी मिट्टी के नीचे दब जाये, और समस्या आने पर उसी के बारे में सोचे और परेशान होते रहे। या फिर उसी समस्या रूपी मिट्टी को सीडी बनाकर ऊपर चढ़ जाएं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा।

वृषभ

जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें।

मिथुन

जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क

किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

आज शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या

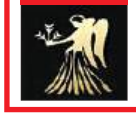

संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला

आज थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक

आज प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें, किसी बात पर विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु

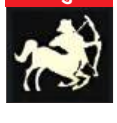

कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर

सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन

दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरा पहली बार शाहरुख से मिलकर नस काटने का था प्लान : वामिका

किसी भी उभरते हुए कलाकार के लिए सुपरस्टार शाहरुख खान से पहली बार मिलना हमेशा एक खास पल होता है। हालांकि अभिनेत्री वामिका गब्बी के पास बताने के लिए एक अलग कहानी है। अपनी आने वाली फिल्म भूल चूक माफ के प्रचार में व्यस्त वामिका ने सुपरस्टार शाह रुख खान के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया और कहा कि यह मुलाकात बहुत अजीब थी। मैशेबल इंडिया के साथ बातचीत में वामिका ने बताया कि शाहरुख खान ने अपनी हिंदी फिल्म जवान में एटली के साथ काम किया था। शाहरुख खान निर्देशक की अगली फिल्म बेबी जॉन के प्रचार के लिए आए थे। शाहरुख की उपस्थिति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि वामिका और उनके भाई हार्दिक पीछे खड़े होकर यह सोच रहे थे कि अगर शाहरुख उनके पास आए तो वे क्या कहेंगे। उनके भाई ने मजाक में सुझाव दिया, नस काट देना। इसके बाद दोनों हंस पड़े।बेबी जॉन के सेट से निकलने से ठीक पहले शाहरुख खान वामिका गब्बी से मिलने आए और उन्हें शुभकामनाएं दीं और अलविदा कहा। इस पर वामिका ने कहा उन्होंने कहा ठीक है, अलविदा और मैंने कहा, आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा, सर। मेरा भाई मुझे अपनी कलाई काटने का सुझाव दे रहा था लेकिन जाहिर है कि मैं ऐसा नहीं करूंगी। 10 सेकंड के लिए एकदम सन्नाटा छा गया। हर कोई चुप हो गया और वह (शाहरुख) चले गए। उनके जाने के बाद, प्रोडक्शन से एक व्यक्ति मेरे पास दौड़ता हुआ आया और बोला, क्या आपने अभी अपनी कलाई काटने की बात कही है? मेरा भाई चौंक गया। मुझे सच में लगा कि वह (शाहरुख) हास्य समझ जाएंगे, लेकिन वह नहीं समझे।

सिंदूर के साथ बनारसी साड़ी में कांस के रेड कार्पेट में ऐश्वर्या ने लूट ली महफिल

ऐश्वर्या राय बच्चन के कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर आने का हर साल फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ सालों से ऐश्वर्या राय को उनके फैशन के लिए ट्रोल किया जा रहा था, लेकिन इस बार एक्ट्रेस ने 78वें कांस फिल्म फेस्टिवल पर जो जलवा बिखेरा है, उसकी तारीफ हर जगह हो रही है।

पिछले 22 सालों से कांस फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी ऐश्वर्या राय का पहला लुक फाइनली सामने आ चुका है, जिसमें वह भारत की संस्कृति को इंटरनेशनल मंच पर दिखाती हुई नजर आई।

पिछले कुछ समय से ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के अलग होने की खबर सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई है। ये सब तब शुरू हुआ था, जब अभिषेक ने एक तलाक पोस्ट को लाइक कर दिया था। हालांकि, अब ऐश्वर्या ने तलाक की अफवाह उड़ाने वालों के मुंह पर अपने लुक से जोरदार तमाचा मारा है।

78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में रेड कार्पेट पर शानदार वापसी करने वालीं पूर्व मिस वर्ल्ड ने मनीष मल्होत्रा की डिजाइनर साड़ी पहनी। क्लासिक व्हाइट हैंडलूम आउटफिट में सजी ऐश्वर्या राय बच्चन ने परंपरा को शान से अपनाया और रॉयल्टी का अहसास कराया। इसके साथ ही उन्होंने तलाक की अफवाहों को खारिज करते हुए मांग में सिंदूर लगाया। व्हाइट साड़ी के साथ उनके लाल रंग के हार और अंगूठियों ने ऐश्वर्या के लुक में चार चांद लगा दिए।

ऐश्वर्या राय के इस खूबसूरत लुक को देखने के बाद यूजर्स खुद को एक्ट्रेस की तारीफ करने से नहीं रोक पा रहे हैं। अभिनेत्री ने जैसे ही कांस से अपने पहले लुक की फोटोज शेयर की, कमेंट बॉक्स में बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा, उनके माथे का सिंदूर उनके लुक को और भी ज्यादा निखार रहा है। दूसरे यूजर ने लिया, ऐश्वर्या राय से अच्छा कांस में ऑपरेशन सिंदूर को कोई और ट्रिब्यूट दे ही नहीं सकता था।

एक और अन्य यूजर ने लिखा, आप कांस की OG क्वीन हो। बहुत ही खूबसूरत लग रहे हो आप ऐश। एक और यूजर ने एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफ करते हुए लिखा, मुझे समझ आ गया कि खूबसूरती की कोई उम्र नहीं होती। इस लुक के बाद अब फैंस ऐश्वर्या राय के दूसरे लुक का इंतजार कर रहे हैं।

अथिया शेट्टी ने बॉलीवुड को कहा अलविदा

अथिया शेट्टी ने फिल्मी दुनिया को अलविदा कह दिया है। यह चौंकाने वाला खुलासा खुद उनके पिता और दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी ने किया है। एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने बताया कि अथिया अब फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं और उन्होंने अपने करियर की नई राह चुन ली है।

साल 2015 में सलमान खान के प्रोडक्शन तले बनी फिल्म 'हीरो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वालीं अथिया शेट्टी लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर थीं। उनके फिल्मी करियर की शुरुआत तो चर्चा में रही, लेकिन इसके बाद उनकी गिनती बॉलीवुड की कम फिल्मों में नजर आने वाली अभिनेत्रियों में होने लगी। 'मुबारकां' और 'मोतीचूर चकनाचूर' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद वह अचानक इंडस्ट्री से गायब सी हो गईं।

जब उनसे जुड़ी कोई नई फिल्म या प्रोजेक्ट की खबर नहीं आई, तो फैंस के मन में सवाल उठने लगे कि आखिर अथिया कहां हैं? क्या वह फिल्मों से ब्रेक पर हैं या कोई नया प्रोजेक्ट साइन किया है? लेकिन सुनील शेट्टी के हालिया बयान ने सब कुछ साफ कर दिया। सुनील शेट्टी ने जूम के साथ बातचीत में बताया, 'एक दिन अथिया ने मुझसे कहा, 'बाबा, मुझे अब फिल्में नहीं करनी हैं और बस, उसने तय कर लिया। मैंने उसे कभी नहीं रोका। मैं उसकी इस सोच की सराहना करता हूं कि उसने खुद के मन की सुनी, न कि समाज की उम्मीदों की।' सुनील का कहना है कि अथिया के पास फिल्मों के कई ऑफर्स थे, लेकिन उन्होंने ठुकरा दिए।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है घूमता-फिरता अनोखा गांव

छह महीने पहाड़ पर तो 6 महीने नीचे रहते हैं इस गांव के लोग

भरतपुर। क्या आपने सुना है ऐसे गांव के बारे में, जहां के लोग 6 महीने पहाड़ के ऊपर और 6 महीने पहाड़ के नीचे रहते हो। आज आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहा है, जहां के लोग 6 महीने पहाड़ के ऊपर और 6 महीने पहाड़ के नीचे अपने परिवार और पशुओं के साथ रहते हैं। यह अनोखा गांव है राजस्थान के भरतपुर जिले की बयाना तहसील में स्थित मोर तालाब गांव। यह अनोखा गांव अपनी जीवनशैली और भौगोलिक स्थिति के कारण पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है।

यह गांव ऐतिहासिक विजयगढ़ दुर्ग की तलहटी में अरावली की ऊंचाइयों पर समुद्र तल से लगभग 800 फीट की ऊंचाई पर बसा हुआ है। इसकी सबसे विशेष बात यह है कि यहां के लोग साल में दो बार अपना ठिकाना बदलते हैं। यह पूरा गांव पशुपालन पर ही निर्भर रहता है। बरसात के महीनों में यह गांव जीवंत हो उठता है, जब यहां के निवासी अपने परिवार सहित अपने पशुओं को लेकर पहाड़ी पर स्थित पुराने घरों में रहने चले जाते हैं। इन महीनों में मौसम सुहावना होता है और पानी की उपलब्धता बेहतर होती है, जिससे पशुओं को भरपेट चारा और पानी मिलता है।

वहीं गर्मियों की शुरुआत होते ही जब पानी और अन्य सुविधाओं की कमी हो जाती है, तब गांववाले नीचे मैदान में स्थित अपने दूसरे घरों में आ जाते हैं। यह परंपरा सदियों पुरानी है और आज भी उतनी ही

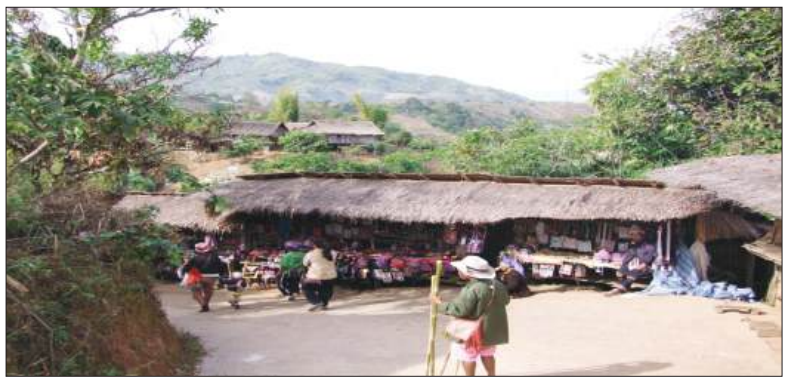

जीवंत है। मोर तालाब गांव का इतिहास भी उतना ही समृद्ध है, जितना कि इसकी परंपराएं गांव में लगभग 200 से अधिक गुर्जर परिवार रहते हैं और आज भी अपनी संस्कृति और मिट्टी से गहराई से जुड़े हुए हैं। गांववासियों की आजीविका का मुख्य स्रोत पशुपालन ही है। उनके पास सैकड़ों की संख्या में मवेशी हैं, जिनसे प्रतिदिन सैकड़ों लीटर दूध का उत्पादन होता है। यह दूध न केवल स्थानीय स्तर पर उपयोग में लाया जाता है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी इसकी आपूर्ति की जाती है। हालांकि यह गांव प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से भरपूर है। फिर भी यह आज भी कई मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं की यहां भारी कमी है। इसके बावजूद यहां के लोगों का हौसला कमजोर नहीं पड़ा है।

वे आशा करते हैं कि एक दिन उनका गांव भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा और फिर से हरा-भरा और सुगम जीवन वाला स्थान बन पाएगा। जब गांव के लोग ऊपर रहते हैं, तब इस गांव के बच्चे लगभग 5 किलोमीटर का दुर्लभ रास्ता पार करके नीचे पढ़ाने आते हैं। भरतपुर का यह अनोखा गांव मोर तालाब केवल एक गांव नहीं, बल्कि एक जीवन दर्शन है। यहां के लोग प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने की एक मिसाल पेश करते हैं। इनकी जीवनशैली, संघर्ष और उम्मीदें यह सिखाती हैं कि सादगी में भी गरिमा होती है और अपनी जड़ों से जुड़ा रहना ही सच्चा विकास है।

यहां दूल्हा-दुल्हन 7 नहीं लेते हैं 8 फेरे सफेद कपड़ों में निभाते हैं सारी रस्में

बाड़मेर। अपने अनूठे रिवाजों, रस्मों और परंपराओं की वजह से राजस्थान को रंगीला राज्य कहा जाता है। राजस्थान में एक समाज ऐसा भी है, जिसमें 7 नहीं, आठ फेरे होते हैं। इससे भी अचरज में डालने वाली एक परंपरा यह भी है कि दूल्हा, दुल्हन को गोदी में उठाकर 4 फेरे पूरे करता है। हैरान कर देने वाली इन रस्मों को श्रीमाली समाज आज भी कायम रखे हुए है। सरहदी बाड़मेर के श्रीमाली समाज में शादी सिर्फ सात नहीं, बल्कि आठ फेरों का वादा है। एक ऐसी परंपरा, जहां दुल्हन घोड़ी पर सवार होकर आती है और दूल्हा उसे गोद में उठाकर फेरे लेता है।

श्रीमाली समाज की अनोखी शादी की रस्म में आठ फेरे लिए जाते हैं, जो इसे बाकी परंपराओं से अलग बनाता है। भारत-पाकिस्तान की सीमा पर बसे बाड़मेर में बसने वाली श्रीमाली कम्युनिटी की विवाह पर होने वाली रस्में अनूठी हैं। श्रीमाली समाज में 7 नहीं, आठ फेरे होते हैं। दूल्हा और दुल्हन फेरे के समय कोई रंगीन वस्त्र नहीं पहनते हैं। श्वेत वस्त्रों में दूल्हा और दुल्हन अग्नि को साक्षी मानकर धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के 4 फेरे लेते हैं और उसके बाद होने वाली रस्म हर किसी को हैरान कर देती है। 4 फेरों के बाद दूल्हा, दुल्हन को गोदी में उठाता है और चार फेरे और लेता है।

श्रीमाली समाज के अध्यक्ष पंडित सुरेंद्र कुमार श्रीमाली बताते हैं कि महाभारत काल में रुक्मिणी के पिता ने उनका विवाह शिशुपाल से तय कर दिया था। लेकिन रुक्मिणी श्रीकृष्ण के साथ ही अपना जीवन बिताना चाहती थीं। इसलिए श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी को विदर्भ से हरण कर लिया था और उसको उठाकर फेरे लिए थे। श्रीमाली समाज भी तभी से चार फेरे दुल्हन को गोदी में उठाकर कर रहे हैं। यह रस्म दूल्हे की तरफ से दुल्हन की रक्षा के वचन के रूप में देखी जाती है। बाड़मेर के अलावा जैसलमेर, फलौदी, उदयपुर, बीकानेर में भी बहुतायत में श्रीमाली समाज निवासरत हैं, जो आज भी अपनी परंपरा का बखूबी निर्वहन कर रहा है।

उत्तर-पूर्व के लिए अडानी समूह ने खोला भारी भरकम खजाना

पूर्वोत्तर राज्यों में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी कंपनी

» गौतम अडानी ने 'राइजिंग नॉर्थईस्ट ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' में की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों की आर्थिक संभावनाओं को नई उड़ान देते हुए अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने आज असम और समूचे उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए अगले दस वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। 'राइज़िंग नॉर्थईस्ट ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' में बोलते हुए उन्होंने ये घोषणा की। यह समिट नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर-पूर्व के राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और देश के शीर्ष उद्योगपतियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए अडानी ने कहा कि आपके नेतृत्व से प्रेरित होकर, मैं घोषणा करता हूं कि अडानी समूह उत्तर-पूर्व भारत में अगले 10 वर्षों में अतिरिक्त 50,000 करोड़ का निवेश करेगा। अपने भाषण में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उत्तर-पूर्व में हुए परिवर्तन की सराहना की और बताया कि 2014 के बाद से अब तक 6.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बुनियादी ढांचा निवेश हुआ है, सड़क नेटवर्क दोगुना होकर 16,000 किमी हो गया है, और 9 हवाई अड्डों से बढ़कर अब 18 हवाई अड्डे चालू हो चुके हैं। बता दें कि उद्योगपति गौतम अडानी ने विकास कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। अभी हाल ही में उन्होंने केरल, बिहार, यूपी , राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में हर सेक्टर में अरबों रुपये का निवेश किया है। व्यवसायिक गतिविधियों के अलावा वह सामजासिक सरोकारों में भी रुचि लेते हैं।

भारत 2047 के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध

अडानी ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम उत्तर-पूर्व के भाइयों और बहनों के सपनों, सम्मान और भविष्य के साथ खड़े रहेंगे। यह घोषणा अडानी समूह को उत्तर-पूर्व भारत के आर्थिक परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण निजी क्षेत्र के भागीदार के रूप में स्थापित करती है, जो ऊर्जा, संपर्क और जीवन स्तर के क्षेत्र में दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा।

लॉजिस्टिक्स समेत कई ट्रेनिंग सेंटर्स पर भी फोकस : अडानी

अडानी ने कहा कि यह निवेश ग्रीन एनर्जी, पावर ट्रांसमिशन, सड़कों, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और मानव संसाधन विकास पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि हम स्मार्ट मीटर, हाइड्रो और पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स, पावर ट्रांसमिशन, सड़कों और हाईवे, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और स्किलिंग व वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर्स के माध्यम से क्षमता निर्माण में निवेश करेंगे। यह प्रतिबद्धता फरवरी में आयोजित एडवांटेज आसाम 2.0 समिट में की गई 50,000 करोड़ की घोषणा से दोगुनी है।

एक्ट ईस्ट, फास्ट व फर्स्ट विकास का टर्निंग पॉइंट

अडानी ने प्रधानमंत्री की एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट व एक्ट फर्स्ट नीति को इस विकास का टर्निंग पॉइंट बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल नीति नहीं है, यह आपके बड़े सोचने की पहचान है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अडानी समूह का यह निवेश केवल ढांचागत विकास नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों, रोजगार और उद्यमिता पर केंद्रित होगा। हम इंफ्रास्ट्रचर से बढ़कर, लोगों में निवेश करेंगे। हर परियोजना में स्थानीय रोजगार, स्थानीय उद्यमिता और सामुदायिक भागीदारी को प्राथमिकता दी जाएगी।

अडानी ने उत्तर-पूर्व में हुए परिवर्तन की सराहना की

दिल्ली में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर की विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने कहा, पूर्वोत्तर हमारे लिए सिर्फ दिशा नहीं है, इसका मतलब है सशक्त बनाना, मजबूत बनाना और बदलाव लाना. पूर्वोत्तर क्षेत्र अभूतपूर्व प्रगति देख रहा है, हम इसकी विकास गाथा को गति देने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। एक समय था जब पूर्वोत्तर को केवल सीमांत कहा जाता था, अब यह विकास में अग्रणी है। पीएम मोदी ने जोर देते हुए कहा, विकसित भारत के निर्माण के लिए पूर्वी भारत का विकसित होना बहुत जरूरी है। नॉर्थ ईस्ट पूर्वी भारत का सबसे अहम अंग है हमारे लिए ईएएसटी का मतलब सिर्फ एक दिशा नहीं है। हमारे लिए ईएएसटी का मतलब है, एम्पावर, एक्ट, स्ट्रैंथ और ट्रांस्फॉम, पूर्वी भारत के लिए यही हमारी सरकार की नीति है। इस अवसर कई अन्य मंत्रियों ने भी अपने विचार साझा किए। सभी ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए उद्योगपतियों से ज्यादा से ज्यादा निवेश का आहवाहन किया।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का एलान हो चुका है। इस दौरे पर भारतीय अंडर-19 टीम कुल आठ मैच खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 24 जून से होगी। भारतीय अंडर-19 टीम की कमान चेन्नई सुपर किंग्स के सुपरस्टार युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को सौंपी गई है। वहीं, इस टीम में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है। इन दोनों ने इस सीजन आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। वैभव ने तो शतक भी जड़ा है।

बीसीसीआई ने बताया, इस दौरे में 50 ओवर का अभ्यास मैच, उसके बाद पांच मैचों की युवा एकदिवसीय सीरीज और इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ दो बहु-दिवसीय मैच शामिल हैं। मुंबई के विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू को म्हात्रे की जगह उप कप्तान बनाया गया है। वैभव का चयन आईपीएल के शानदार सत्र के बाद हुआ है।

वैभव ने पिछले साल चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले युवा टेस्ट में शतक बनाया था। दूसरी ओर 17 वर्षीय म्हात्रे ने नौ प्रथम श्रेणी मैच और सात लिस्ट ए मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 962 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज ने इस सत्र के बीच में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह ली थी जो कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गए थे।

आयुष म्हात्रे बने कप्तान

लखनऊ को मिली आईपीएल के इस सत्र में छठी जीत

अहमदाबाद। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने गुजरात टाइटंस को 33 रन से हराकर सत्र की छठी जीत दर्ज की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में दो विकेट खोकर 235 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर 202 रन ही बना पाई। यह गुजरात की घर पर लगातार चार जीत के बाद पहली शिकस्त है। लखनऊ के लिए विलियम ओरुर्के ने तीन विकेट लिए जबकि आवेश खान और आयुष बडोनी को दो-दो सफलताएं मिलीं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की शुरुआत अच्छी हुई थी। इसके बाद चौथे नंबर पर आए शेरफेन रदरफोर्ड ने शाहरुख खान के साथ पारी को संभाला। दोनों ने 40 गेंदों में 86 रन जोड़े। इनके अलावा और कोई भी बल्लेबाज नहीं चल सका। इससे पहले लखनऊ के लिए एडेन मार्करम और मिचेल मार्श के बीच 91 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद मार्श को निकोलस ने 121 रन जोड़े। इस दौरान मार्श ने आईपीएल में पहला शतक जड़ा।

राज्य की सीमा पर बरतें सतर्कता : ममता

» कोलकाता के आसमान में दिखे रहस्यमयी ड्रोन, जांच में जुटी सेना और पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने राज्य के उत्तरी हिस्से में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में सीमा पार से होने वाले खतरों के प्रति सतर्क रहने का निर्देश दिया है। बनर्जी ने अधिकारियों से भारी बारिश के कारण संभावित बाढ़ के प्रति भी सतर्क रहने को कहा। सीएम ने उत्तरी पश्चिम बंगाल की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान एक उच्च स्तरीय प्रशासनिक बैठक की अध्यक्षता की।

अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने कहा कि नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करने वाला यह क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील है। बता दें कोलकाता के आसमान में ड्रोन जैसी कई वस्तुएं उड़ती देखी गईं, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि सोमवार रात को हेस्टिंग्स क्षेत्र, विद्यासागर सेतु और मैदान के ऊपर कम से कम 8-10 ड्रोन संदिग्ध वस्तुएं उड़ती देखी गईं।

केंद्र ने राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट

केंद्र सरकार ने इस घटना पर राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। रक्षा मंत्रालय के पूर्वी कमान के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु तिवारी ने एक बयान में कहा कि कोलकाता के ऊपर ड्रोन देखे जाने की रिपोर्ट मिली है और फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। इस घटना की सत्यता का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। तथ्यों के सामने आने पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी। इस बीच, मीडिया से अटकलों से बचने का आग्रह किया जाता है।

पाक को और सबक सिखाया जाना चाहिए था : सुब्रमण्यम

» ऑपरेशन सिंदूर पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद रह चुके डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने पाकिस्तान को लेकर एक बार फिर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को और अधिक कठोरता से सबक सिखाया जाना चाहिए था।

सुब्रमण्यम ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम नरसंहार के जरिए इस टकराव की शुरुआत की थी, जो हमारे पूरे सभ्यता इतिहास में सबसे बर्बर और वीभत्स कृत्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों पर हमला किया, वह न केवल अमानवीय था, बल्कि यह हमारे अस्तित्व और संप्रभुता पर सीधा हमला था। डॉ. स्वामी ने सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के बाद कूटनीतिक स्तर पर भेजे जा रहे ऑल-पार्टी डेलीगेशनों को भी आड़े हाथों लिया।

राजधानी में अंधेरा कायम, मार्ग प्रकाश विभाग अलाप रहा राग

» 14,403 से ज्यादा लखनऊ नगर निगम में लाइटें खराब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम परिक्षेत्र में ईईएसएल कम्पनी द्वारा 2 लाख 9 हजार लाइटें पोलो पर लगाई गई थी। तीन बिंदुओं पर जेई से रिपोर्ट मांगी गई।1 बंद प्रकाश बिंदु कितने है। 2 ईईएसएल द्वारा लगाई गई उसमें कितनी पीली लाइटें है। 3 गायब हुई लाइटें टोटल बंद प्रकाश बिंदु लगभग 10 हजार तक खराब और बंद पाई गई है जिसमें सभी जोनों का अलग-अलग डेटा उपलब्ध है। जोन 1 में जेई सूर्य विक्रम सिंह ने बताया 500 से लगभग ज्यादा की लाइटें खराब बंद पड़ी है। जोन 2 में जेई सुरेन्द्र सिंह ने बताया 250 लगभग लाइटें 7दिन से ज्यादा बंद पड़ी है जोकि खराब है।

जोन 3 के जेई से जानकारी के मुताबिक विनोद शुक्ला से बात करने पर यह जानकारी मिली कि उनके पूरे जोन 3 में सभी जगहों पर लाइटें जलती है कोई खराब नहीं है लाइट बाकी उनके पास और कोई जानकारी नहीं है लेकिन क्षेत्र में घूमने के बाद यह पता चलता है कि 1500 से ज्यादा लाइटें खराब और बंद पड़ी है। जोन 4 के जेई अनुराग सिंह से जानकारी के अनुसार 10 वार्डो में से 2विस्तारित क्षेत्र है बाकी 8 वार्ड पहले से है जिसमें 2हजार के करीब लाइटें खराब और बंद पड़ी है।

जोन 5 के जेई सूर्य विक्रम से स्ट्रीट लाइटों के बारे में जानकारी ली गई तो पता चला उनके भी जोन में 500 से ज्यादा स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी है या तो पीली पड़ गई जिससे रोशनी कम हो गई है या बंद हो चुकी है। जोन 6 के जेई आशुतोष टंडन से जानकारी ली गई पता चला 2700 से लगभग लाइटें खराब पड़ी है। जोन 7 के जेई हिमांशु त्रिपाठी से जानकारी ली गई तो उनके भी वार्ड में लगभग 1000 से ज्यादा बंद पड़ी है। जोन 8 के जेई हरमीत सिंह कलसी से जानकारी करी गई तो उन्होंने कुछ भी लाइटों की जानकारी न देते हुए सवालों से बचते नजर आए इसलिए क्योंकि सबसे ज्यादा लाइटें खराब और बंद जोन 8 में जिससे ये साबित होता है कि हजारों की संख्या में लाइटें है लगी नहीं है या तो खराब पड़ी है जिससे सही आंकड़ा नहीं लगाया जा सकता लेकिन शिकायतों से ये साबित होता है कि 5 हजार से लगभग लाइट बंद या खराब पड़ी है।

हजारों शिकायतें पेंडिंग हैं

हम बात करते है हर दिन लाइटों की आने वाली शिकायतों पर नजर डालते है जनता और पार्षदों की। आम पब्लिक और पार्षदों की लाइटों की शिकायत लगभग 500 से ज्यादा हर दिन शिकायत आती है। नगर विकास विभाग ऑनलाइन पोर्टल डीसीसीसी पर 9 शिकायतें 1 दिन में पेंडिंग। मार्ग प्रकाश शिकायतों का पोर्टल ऑनलाइन ऑफलाइन कंट्रोल रूम टोल फ्री नंबर 311 पर सभी जोनों से आई कंप्लेन 31 जनसुनवाई मुख्यमंत्री पोर्टल नगर निगम मार्ग प्रकाश कंप्लेन का डेटा 127 कंप्लेन मुख्यमंत्री पोर्टल पर आई है 1 दिन में नगर निगम के सभी जोनों की शिकायत का निस्तारण कैसे होता है जो मुख्यमंत्री के पोर्टल पर आती है।

कंपनी पर कब लगेगा जुर्माना

दिन की सभी जोनों की कंप्लेन को दूसरे दिन सुबह ईईएसएल के कर्मचारी साथ ही नगर निगम मार्ग प्रकाश के कर्मचारी सभी जोनों की समस्या का समाधान करते है। आखिर सवाल ये उठता है कि हजारों की संख्या में लाइटें बंद और खराब पड़ी है जिसका ठेका प्राइवेट कंपनी के पास है जिसने लखनऊ के शहर भर में अंधेरा कर रक्खा है आखिर ऐसे में इस प्राइवेट कंपनी के ऊपर किया जुर्माना लगाया जाएगा या कंपनी को ब्लैकलिस्टेड किया जाएगा जिसने शहर की जनता को अंधेरे में रखने का काम किया है।

वीआईपी मार्ग प्रकाश टीम

मुख्य मार्गों वीआईपी रूट के लिए 4 टीमें गठित है जिनकी ड्यूटी रात के 11बजे तक रहती है 16टावर हर एक जोन में 2 टावर लगाए जाते है मुख्यमार्ग वीआईपी ड्यूटी में हर दिन टीमें काम करती है।

> ईईएसएल कम्पनी का टेंडर 2से 3 दिन बाद खत्म हो रहा है। शहर भर की लाइटों के जो भी गड़बड़ी आई है उसको ठीक करेगी कंपनी। कंपनी का 6महीने से ज्यादा का पेमेंट रोक गया है। करीब 12 करोड़ से 15 करोड़ का भुगतान नहीं किया गया है। -मनोज प्रभात आर आर चीफ

खोखले भाषण देना बंद कीजिए मोदी जी : राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद ने पूछा- आपका खून सिर्फकैमरों के सामने ही क्यों गरम होता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद से ही देश में इसको लेकर सियासत तेज है। इस बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का एक हिस्सा शेयर करते हुए इनसे तीन सवाल पूछे हैं।

राहुल ने एक्स पर लिखा कि मोदी जी, खोखले भाषण देना बंद कीजिए। सिर्फ इतना बताइए 1. आतंकवाद पर आपने पाकिस्तान की बात पर भरोसा क्यों किया? 2. ट्रंप के सामने झुककर आपने भारत के हितों की कुर्बानी क्यों दी? 3. आपका खून सिर्फ़ कैमरों के सामने ही क्यों गरम होता है? आपने भारत के सम्मान से समझौता कर लिया। इससे पहले कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयान को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''फिल्मों जैसे खोखले संवाद'' बोलने के बजाय संसद का विशेष सत्र बुलाकर सदन के पटल पर स्पष्टीकरण देना चाहिए तथा सभी दलों के नेताओं से भी बातचीत करनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों को विभिन्न देशों के दौरे पर भेजना 'दिखावे की निरर्थक कवायद' है और फिलहाल यह जरूरी है कि पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोके जाने से जुड़े सवालों का सरकार जवाब दे तथा संसद से एक सामूहिक संकल्प दुनिया के सामने रखा जाए।

राहुल शनिवार को जाएंगे पुंछ, पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलेंगे

श्रीनगर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ का दौरा करेंगे जहां वह पाकिस्तान की गोलाबारी एवं ड्रोन हमलों से प्रभावित परिवारों और पीड़ितों से मुलाकात करेंगे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कल यानी 24 मई को पुंछ का दौरा करेंगे, जहां वे हाल ही में पाकिस्तान की गोलाबारी में मारे गए लोगों के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा, इससे पहले, 25 अप्रैल को वे श्रीनगर गए थे, जहां उन्होंने पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले में घायल लोगों और अन्य संबंधित पक्षों से मुलाकात की थी। उन्होंने उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से भी भेंट की थी।

राहुल गांधी ने मटके में भरा पानी

डीयू के दौरे में राहुल गांधी ने मटका मैन के नाम से मशहूर रौनक खत्री से कैंपस में लगे मटके को लेकर भी सवाल किया, तब उन्हें बताया गया कि कैंपस में पीने के पानी की समस्या को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। छात्रों को ठंडा व स्वच्छ पानी मिले, इसके लिए कई जगह मटकों में पानी भरकर रखा गया है। रौनक खत्री ने इस दौरान उनसे मटके में पानी डालने व पानी पीने का अनुरोध किया, तब राहुल गांधी ने मटके में पानी भरा।

'शिक्षित करो, आंदोलन करो और संगठित रहो'

बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने छात्र समुदाय के साथ गहन बातचीत की, उनकी चिंताओं को सुना और शैक्षणिक क्षेत्रों में लोकतांत्रिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व के महत्व पर प्रकाश डाला। इस संवाद में छात्रों ने शैक्षणिक संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव से लेकर संकाय पदों और कुलपति जैसे शीर्ष प्रशासनिक पदों पर हाशिए के समुदायों के कम प्रतिनिधित्व के मुद्दों को लेकर अपनी आवाज उठाई। राहुल गांधी ने डॉ. बीआर आंबेडकर के संदेश शिक्षित करो, आंदोलन करो और संगठित रहो को याद दिलाते हुए छात्रों को न्यायसंगत रहने को कहा।

कर्नाटक में भाजपा विधायकों के निलंबन मामले पर बैठक 25 को

» संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल ने कहा कि राज्य विधानसभा से भाजपा के 18 विधायकों का निलंबन रद्द करने पर चर्चा के लिए 25 मई को मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और विपक्ष के नेता की बैठक होगी।

एक अभूतपूर्व कदम के तहत, विधायकों को 21 मार्च को कर्नाटक विधानसभा से ''अनुशासनहीनता'' दिखाने और अध्यक्ष का ''अनादर'' करने के लिए छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था, जिसके बाद जब उन्होंने सदन छोड़ने से इनकार कर दिया तो मार्शलों ने उन्हें बलपूर्वक सदन से बाहर निकाल दिया। पाटिल ने कहा, ''विधायकों के निलंबन का मुद्दा मंत्रिमंडल की बैठक में उठा। मुख्यमंत्री (सिद्धरमैया) को कैबिनेट द्वारा निर्णय लेने और अध्यक्ष के साथ चर्चा करने के लिए अधिकृत किया गया है। पच्चीस मई की शाम को एक बैठक होगी जिसमें अध्यक्ष (यू टी खादर), मुख्यमंत्री, संसदीय कार्य मंत्री, विपक्ष के नेता (आर अशोक) और अध्यक्ष द्वारा उल्लेखित कोई भी व्यक्ति शामिल होगा।

दिल्ली-एनसीआर में कोरोना ने मारी एंट्री, तीन लोग संक्रमित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व एशिया में कोविड-19 के मामलों में उछाल के बाद, भारत में भी हाल के हफ्तों में कोविड-19 के नए मामले देखे गए हैं, जिनमें से ज्यादातर मामले केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु से रिपोर्ट किए गए थे लेकिन अब इसकी रीच बढ़ गयी है दिल्ली एनसीआर में भी कोरोना के मरीजों को दर्ज किया गया है।

हालाँकि, ज़्यादातर मामले हल्के हैं और गंभीरता या मृत्यु दर से जुड़े नहीं हैं। हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद में कोविड-19 के कम से कम तीन मामले सामने आए हैं, एक अधिकारी ने गुरुवार (22 मई) को इसकी पुष्टि की। गुरुग्राम से कोरोना वायरस के दो और फरीदाबाद से एक मामला सामने आया। गुरुग्राम में हाल ही में मुंबई से लौटी 31 वर्षीय महिला में संक्रमण की पुष्टि हुई। बिना किसी यात्रा इतिहास वाले 62 वर्षीय व्यक्ति में भी संक्रमण की पुष्टि हुई।

मौत को दावत दे रहीं है छतों पर लगी होर्डिंगें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हजरतगंज ,बर्लिंगटन की सड़कों पर स्थित इस तरह की होर्डिंग घरों के ऊपर लगाकर एक एडवरटाइजमेंट कंपनियों को मुनाफा पहुंचाने में लगे है। शहर भर में पुरानी बिल्डिंगों के ऊपर लगी बड़ी बड़ी फ्लेक्स होर्डिंग जिससे बिल्डिंगों के मालिकों को लाखों रुपए का फायदा पहुंच रहा है वहीं नगर निगम प्रचार विभाग अपना पल्ला झाड़ चुका है उसका कहना है हमने एलडीए को पत्र भेज दिया है।

ऐसी होर्डिंग जो पुरानी बिल्डिंग या जर्जर बिल्डिंगों पर लगी हुई है अब तक एलडीए की ओर से कोई जवाब नहीं आया है ऐसे में सवाल ये उठता है कि अगर बारिश आंधी के मौसम में अगर इन होर्डिंगों के गिरने से कोई भी हादसा होता है ऐसे में किस विभाग की जिम्मेदारी तय होगी या फिर हादसे का इंतेज़ार कर रहे है सभी विभाग अपना पल्ला झाड़ने में लगे रहते है लेकिन हादसा होने के बाद फिर वही कार्रवाई करनी पड़ती है आखिर विभाग अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाता ऐसे में कई बड़े सवाल खड़े होते है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।